University in News on 25 January 2020

Rashtriya Sahara Page 7

राज्यपाल ने किया पुस्तक 'अपना दोस्तः नरेन्द्र मोदी' का विमोचन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डा. जशभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर गुजराती भाषा में लि 'आपणो भेरूवंधः नरेन्द्र मोदी' का हिन्दी में अनूदित पुस्तक 'अपना दोस्तः का शुक्रवार को राजभवन में विमोचन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमं शर्मा, लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय, प्रो. पीसी मिश्रा, श्री केसी कुमार, डा. गोविन्द स्वरूप, डा. कृष्ण लोग उपस्थित थे। राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना करते हुए कहा कि डा. जशभाई ने मोदी जैसे विराट व्यक्तित्व पर पुस्त अभिनन्दनीय कार्य किया है। इस पुस्तक से हिन्दी भाषी जन समुदाय को भी श्री मोदी के आदर्श व्यक्तित्व से प्रेरणा मिलेगी। व्यक्त की कि श्री पटेल अपनी अन्य रचनाओं को भी हिन्दी भाषा में प्रकाशित करेंगे।

विनोद कुमार सिंह बने लविवि के नये कुलसचिव

लखनऊ (एसएनबी)। कानपुर विश्वविद्यालय के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह को लविवि का नया कुलसचिव बनाया गया है। माना जा रहा है कि श्री सिंह शनिवार शाम को कार्यभार ग्रहण करेंगे। गौरतलब है कि पिछले दिनों तत्कालीन कुलपति सुरेन्द्र प्रताप सिंह के कार्यकाल खत्म होने के बाद रजिस्ट्रार रहे शैलेष कुमार शुक्ला को कुलपति के पद पर तैनात कर दिया गया था।

श्री शुक्ला ने अपने पचास दिन के कार्यकाल के अन्दर कई शिक्षकों पर कार्रवाई की थी तथा कर्मचारियों के आने-जाने का समय भी दुरूस्त करवा दिया था, लेकिन प्रो.आलोक कुमार राय की तैनाती के बाद वह एक बार फिर वह अपने मूल पद पर वापस लौट आए थे। सूत्रों का कहना है कि श्री शुक्ला ने पिछले दिनों शासन को प्रत्यावेदन दिया था कि चूंकि वह इसी विवि में कुलपति रह चुके हैं, ऐसे में अब वह लविवि की जगह किसी अन्य विवि में काम करना चाहते हैं, जिसके बाद उन्हें प्रतीक्षारत करते हुए कानपुर विवि के कुलसचिव विनोद कुमार सिंह की तैनाती कर दी गयी है।

Amar Ujala- My City Page 5

'पुलिसिंग एक विज्ञान, इसमें प्रयोग जरूरी'

लविवि में आयोजित अभिनंदन समारोह में बोले डीजीपी

डीजीपी ओपी सिंह, पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय, एलयू वीसी आलोक राय व अन्य का हुआ अभिनंदन।

लखनऊ। सूबे के पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह ने कहा है कि पुलिसिंग एक विज्ञान है। इसमें प्रयोग जरूरी हैं। पुलिस आयुक्त प्रणाली भी इसी का एक हिस्सा है। यह पुलिस की विश्वसनीयता को बढ़ाएगी। बेहतर पुलिसिंग के लिए नॉलेज पार्टनर चाहिए। लखनऊ विश्वविद्यालय, आईआईटी, आईआईएम आदि के साथ हमने इस पर काम किया है। इससे व अन्य प्रयासों से हमने पुलिस की छवि सुधारने में काफी सफलता पाई है। आगे भी इस पर बेहतर काम होगा।

वे लविवि के मालवीय सभागार में लखनऊ नागरिक समाज की ओर से आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुलिस के बदले व्यवहार की झलक कुंभ मेला, यूपी में हुए चुनाव, सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद देखी जा सकती है। पुलिस आयुक्त प्रणाली आज की जरूरत है जो कतिपय कारणों से पूर्व में नहीं हो पाई। इस दौरान पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय, पुलिस महानिदेशक ओपी सिंह, वीसी प्रो. आलोक कुमार राय आदि का नागरिक अभिनंदन भी हुआ।

पुलिस कमिश्नर बोले, जल्द दिखेगा व्यवस्था में बदलाव

विशिष्ट अतिथि लखनऊ के पुलिस आयुक्त सुजीत पांडेय ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि पुलिसिंग को समाज के लिए बनाएं। जल्द ही पुलिस कई मायनों में अलग दिखेगी। उसका रिस्पांस और अच्छा होगा। महिलाओं से जुड़े अपराधों में कमी लाएंगे और पुलिस के व्यवहार में भी सुधार करेंगे। इसके साथ ही ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार भी हमारी प्राथमिकता में है। अगले चार-पांच महीने में इस पर काफी काम होगा। हमारा कोई पर्सनल एजेंडा नहीं है। हम व्यक्ति के लिए समाज के लिए काम करेंगे। वहीं लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने सुझाव दिया कि मूल्यों में बदलाव से कोई भी बड़ा बदलाव ला सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व पुलिस महानिदेशक एसवीएम त्रिपाठी ने और संचालन पूर्व डीजी आरएन सिंह ने किया। सांसद डॉ. अशोक बाजपेई, ओपी श्रीवास्तव, नवीन तिवारी, अमरनाथ मिश्र आदि उपस्थित थे।